understand one member of the staff knowing Malayalam language in order to deal with those people who go from Kerala, but the entire mission cannot conduct its business in Malayalam.

श्री रूपनाथ सिंह यादव : क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि भारत की इतनी बड़ी आबादी में कितने प्रतिशत लोग अंग्रेजी जानते हैं ?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, मैं ऐसी जानकारी नहीं देना चाहता जो गलत साबित हो और इसलिए मुझे सूचना मिले तो मैं सही जानकारी एकत्र करके इसका उत्तर दे सकूंगा ।

Many hon. Members *rose*.

SHRI M. RAM GOPAL REDDY: We send our questions and our names come in the ballot, but we do not get a chance because the priority in the Question List may be low. I would, therefore, request that more questions may be covered in the Question Hour.

MR. SPEAKER: How can I stop Members wanting to ask questions which they consider important?

Now, Shri Chandrappan.

SHRI C. K. CHANDRAPPAN: I would like to know from the hon. Minister whether it is necessary at all to take a very rigid stand on the language which our personnel employed in the Embassies should follow because there are, as I understand, languages which are internationally accepted by the United Nations for dealing in international matters. I think without taking a rigid position if the Government takes the position that a practical point of view will be taken in so far as language is concerned, it will help the country. Will the Minister accept this suggestion? That is my question.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE: The suggestion will be given due consideration.

MR. SPEAKER: May I now go to the next question because there are a number of important questions? If all of you get up, I am helpless.

नर्सों से प्रतिभूति राशि लिया जाना

*267. **श्री हरगोविन्द वर्मा** : क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने प्रशिक्षण काल मे नर्सों से ली जाने वाली प्रतिभूति राशि न लेने का निर्णय किया है ; और

(ख) यदि हां, तो कब से ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री राज नारायण) : (क) जी नहीं ।

(ख) यह प्रश्न नहीं उठता ।

श्री हरगोविन्द वर्मा : मैं माननीय मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं कि ऐसी व्यवस्था न होने से नर्सेज की ट्रेनिंग में बहुत दिक्कत हो रही है । आज पूरे देश में नर्सेज और कम्पाउण्डर्स की बहुत कमी है, जिसकी वजह से स्वास्थ्य विभाग में बहुत दिक्कत हो रही है । अस्पतालों में जाइये तो वहां कोई सुविधा नहीं मिलती है, मरीज़ खड़े रहते हैं— मैं जानना चाहता हूं कि इसके लिए आप क्या व्यवस्था करने जा रहे हैं ?

श्री राजनारायण : वास्तव में मुल्क के विभिन्न हिस्सों में विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रमों की व्यवस्था है । नर्सों को प्रशिक्षित करने के लिये जिन-जिन मुख्य पाठ्यक्रमों को आयोजित किया जाता है, वे इस प्रकार हैं :—

1. जनरल नर्सिंग,
2. वार्ड सिस्टर-कम-सिस्टर टियूटर कोर्स,

3. सर्टिफिकेट कोर्स इन पब्लिक हैल्थ नर्सिंग,

4. बी०एस०सी० नर्सिंग,

5. एम०एस०सी० नर्सिंग, और

6. नर्सिंग के विभिन्न विषयों में पोस्ट-सर्टिफिकेट कोर्स ।

जनरल नर्सिंग के पाठ्यक्रमों का आयोजन सारे देश के पब्लिक अस्पतालों में किया जाता है, जब कि अन्य पाठ्यक्रम सारे देश की कुछ चुनी हुई प्रशिक्षण संस्थाओं में चलाये जाते हैं । जहां तक दिल्ली संघ क्षेत्र का सम्बन्ध है, जनरल नर्सिंग पाठ्यक्रम सभी सरकारी अस्पतालों, दिल्ली प्रशासन एवं दिल्ली नगर निगम के अस्पतालों तथा गैर-सरकारी संस्थाओं द्वारा संचालित अस्पतालों में चलाये जाते हैं । नर्सिंग के अन्य पाठ्यक्रमों का आयोजन लेडी रीडिंग हैल्थ स्कूल, दिल्ली और राजकुमारी अमृत कौर कालिज आफ़ नर्सिंग, नई दिल्ली द्वारा किया जाता है । ये दोनों शिक्षण संस्थाएं सीधे स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के नियंत्रण में कार्य कर रही हैं ।

इस तरह से नर्सेज की कमी को पूरा करने की दिशा में सरकार प्रयत्न कर रही है ..... (व्यवधान) ..... मैं पूरी व्यवस्था बता रहा हूं ताकि माननीय सदस्य अच्छी तरह समझ लें । असल में कुछ लोग इस सदन में ऐसे हैं जो चाहते हैं कि कुछ बातें छिपा कर रखी जायें । छिपाने की क्या जरूरत है .....

श्री शिव नारायण : प्रश्न सिक्योरिटी-मनी को हटाने का था ।

श्री राज नारायण : प्रश्न यह पूछा गया था कि नर्सेज की शिक्षा-दीक्षा की क्या व्यवस्था होगी ताकि अस्पतालों में नर्सेज की कमी न हो पाये । आप सप्लीमेंट्री प्रश्न को सुनने की कोशिश करते— उस में यह पूछा गया था कि अस्पतालों में नर्सेज की कमी है, उस कमी को किस तरह से पूरा किया जायेगा ? मैं अपने उत्तर में उस कमी को पूरा करने की व्यवस्था बता रहा हूं ।

जहां तक लेडी रीडिंग हैल्थ स्कूल, दिल्ली का सम्बन्ध है ..... .

श्री सोमजी भाई डामोर : अध्यक्ष महोदय, जब प्रश्न पूछा जाता है तो उसका उत्तर मंत्री महोदय को घर से पढ़ कर आना चाहिये । यहां यदि कोई छोटा प्रश्न पूछा जाता है तो मंत्री महोदय उस का उत्तर सारा पढ़ कर बताते हैं । कम से कम उनको घर से तैयारी कर के आना चाहिये ।

MR. SPEAKER: It is only about security. You are asking all about nurses.

श्री हरगोविन्द वर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैंने प्रश्न किया था कि जो यह सिक्योरिटी जमा करायी जाती है नर्सिज की ट्रेनिंग के लिए, इससे नर्सों को ट्रेनिंग लेने के लिए आने में दिक्कत होती है । क्या मंत्री महोदय इस पर विचार कर रहे हैं कि ट्रेनिंग में काफी नर्सिज आ जायें इसके लिए उनसे प्रतिभूति न ली जाये ?

श्री राज नारायण : माननीय सदस्य की जानकारी के लिए मैं बताना चाहता हूं कि ट्रेनिंग में आने वाली नर्सिज से 170 रुपए प्रतिभूति ली जाती है—जो कि 100 रुपए किताबों के लिए, 60 रुपए वर्दी के लिए और 10 रुपए टूट फूट के लिए होती है। इससे कम और क्या उनसे लिया जा सकता है । मास्टर आफ नर्सिंग सर्टिफिकेट के कोर्सों में दाखिला लेने वाली महिलाओं के मामले में 100 रुपए किताबों के लिए और 10 रुपए टूट फूट के लिए प्रतिभूति के रूप में लिए जाते हैं ।

प्रतिभूति, अवधान वाली धनराशि जिसे लौटाया जाना होता है लेडी रीडिंग स्वास्थ्य स्कूल और राजकुमारी अमृत कौर

कालेज आफ नर्सिंग दोनों में प्रशिक्षणार्थियों को उनके प्रशिक्षण के पूरा होने पर और यंत्रों, पुस्तकों और अन्य सरकारी सम्पत्ति आदि से सम्बन्धित नुकसान या क्षति के लिए पैसे काट कर लौटा दी जाती है ।

डा० सुशीला नायर : क्या यह सही है कि नर्सिज़ के कोर्सिज़ में दाखिला पाने में भी आजकल बहुत कठिनाई होती हैं ? क्या यह भी सही है कि एक-एक सीट के लिए पांच-पांच उम्मीदवार होते हैं । ऐसी परिस्थिति में जब कि नर्सिज के कोर्सिज के लिए कैन्डीडेट्स हैं, लेकिन उनको सुविधाएं देने की आवश्यकता है, इस बारे में सरकार का कोई कार्यक्रम है ? इस बारे में आप क्या करने का विचार रखते हैं ?

श्री राज नारायण : नर्सों के कोर्सिज़ के लिए सीटें बढ़ाने और उनकी ट्रेनिंग का समुचित रूप से प्रबन्ध करने पर विचार किया जा रहा है ।

श्री चन्द्रशेखर सिंह : क्या मंत्री जी यह बतायेंगे कि सिक्योरिटी जमा न करने के कारण एक छात्रा को नर्स की ट्रेनिंग से वंचित रह जाना पड़ा ?

श्री राज नारायण : इसकी मेरे पास कोई सूचना नहीं है । (**व्यवधान**) अगर आप चाहेंगे कि मैं छोटा उत्तर दूं तो मैं वह भी दे सकता हूं ।

SHRI VAYALAR RAVI: Government introduced a system of not giving aid or grant to nursing students undergoing training on the condition that nurses undergoing training in the institutes will be absorbed by the State. This is the condition laid down. Will the Government re-examine this condition and give the aid to the institutions which are giving training to nurses?

श्री फूल चन्द वर्मा : मंत्री महोदय ने बताया हैं कि नर्सों को ट्रेनिंग से पहले 170 रुपए सिक्योरिटी के रूप में जमा करवाने पड़ते हैं । मैं जानना चाहता हूं कि शेड्यूल्ड कास्ट और शेड्यूल्ड ट्राइब्ज़ की नर्सों को इससे छूट है अथवा नहीं है ? अगर नहीं है तो क्या भविष्य में ऐसी लड़कियों के लिये मंत्री महोदय बिल्कुल छूट देने का प्रयत्न करेंगे ?

श्री राज नारायण : जिस महत्वपूर्ण विषय की ओर आपने ध्यान आकर्षित किया है मैं समझता हूं कि हमारा मंत्रालय इस पर अवश्य विचार करेगा ।

श्री हुकम चन्द कछवाय : इस समय देश में कितनी नर्सों की आवश्यकता है और कमी कितनी नर्सों की है ? क्या यह सही है कि अलग अलग राज्यों में अलग अलग धनराशि जमा करवानी होती है ? एक सी राशि सभी राज्यों में जमा करवाई जाये इसकी आप कोई व्यवस्था करना चाहते हैं ? पिछड़े वर्ग यह राशि जमा नहीं करवा सकते हैं, उनमें इतनी सामर्थ्य नहीं होती है । उनको क्या छूट देने का आपका विचार है ?

श्री राज नारायण : इसका उत्तर मैं पहले दे चुका हूं । देश के विभिन्न राज्यों में विभिन्न प्रकार की व्यवस्थायें हैं । इस समय कितनी नर्सों की कमी है और कितनी नर्सों की आवश्यकता है इसके आंकड़े एकत्र किये जा रहे हैं ।

श्री कंवर लाल गुप्त : प्रश्न 268 ।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री राज नारायण) : अध्यक्ष महोदय, इस प्रश्न के बारे में मैं एक करबद्ध प्रार्थना करना चाहता हूं । यह एक नाजुक सवाल है । यह वह नाजुक सवाल है जिसने इस सरकार को उठा कर अलग कर दिया है और दूसरी सरकार को बिठा दिया है । इसलिए जरा इसको ध्यान से अच्छी तरह से लोग सुनें और समझें ।